

HINDI

Paper 2

(Two Hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

Time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

Attempt five questions in all.

Attempt answer at least one question from each of the three books you have chosen.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कुनी हुई तीन पुस्तकों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [].

गद्य-सौरभ

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

‘‘जिन काटना पहाड़ हो गया । प्रत्येक के चेहरे पर आशा और निराशा के रंग आते थे । नहीं मालूम कि कितने नसीब जागेंगे, न जाने किस पर लक्ष्मी की कृपादृष्टि होगी ।

(i) ‘‘जिन काटना पहाड़ हो गया’’ का क्या अर्थ है ? ऐसा किन्हीं प्रतीत हो रहा था ? उनकी मनःस्थिति किस प्रकार की थी ? [4]

(ii) क्या का दिन किस कारण से विशेष था ? इस दिन किसने, कब, क्या आयोजन किया था ? [4]

(iii) उस अवसर पर क्या घोषणा की गई ? इस घोषणा का किन-किन पर क्या प्रभाव पड़ा ? [4]

(iv) ‘‘पहले पत्नी में पैठने से ही मोती मिलता है’’ — इस उक्ति को कहानी के आधार पर एक अनुच्छेद में समझाइए । [4]

This Paper consists of 7 printed pages and 1 blank page.

Turn over

Question 2

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है । 'त्यक्तेन भुंजीथाः', जीवन का भोग त्याग के साथ करो, यह केवल परमार्थ का ही उपदेश नहीं है, क्योंकि संयम से भोग करने पर जीवन में जो आनंद प्राप्त होता है, वह निरा भोगी बनकर भोगने से नहीं मिल पाता ।

- (i) 'परमार्थ' से आप क्या समझते हैं ? यह मनुष्य के लिए आवश्यक क्यों है ?
- (ii) संयम और भोग से जीवन में कैसा आनन्द, किस प्रकार प्राप्त होता है ?
- (iii) साहसी मनुष्य की पहली पहचान क्या है ? वह किस प्रकार के सपनों में रस लेता है ?
- (iv) 'बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं' — प्रस्तुत पाठ के आधार पर एक अनुच्छेद में अपने विचार लिखिए ।

Question 3

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

पहले बहुत मीठे गले से 'रहना नहीं देश बिराना है' की लय और उसके तुरन्त बाद - क्या आपके शरीर में खुजली होती है ? खुजली का नाश करने के लिए एक ही रामबाण औषधि है '.....' ! कर लें भगत कबीर क्या करते हैं । खुजली कंपनी उनकी जिस रचना पर चाहे अपनी मोहर चस्पाँ कर सकती है ।

- (i) कबीर कौन थे ? संक्षेप में उनका परिचय दीजिए ।
- (ii) 'रामबाण' से क्या तात्पर्य है ? खुजली की औषधि के विज्ञापन में इस शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है ?
- (iii) विज्ञापन-कला से अजंता, एलोरा की कला का एक नया मूल्य किस प्रकार उभर रहा है ?
- (iv) विज्ञापन के लाभ व हानि पर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए ।

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

Question 4

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

'देखा, महादेवी ! हम अभी-अभी कह रहे थे न कि हम एक ऐसे शान्त ज्वालामुखी पर बैठे हुए हैं जो कभी भी फूट सकता है । अब भारत के पूर्वी और पश्चिमी छोरों पर यह ज्वालामुखी भड़क उठा है ।''

- (i) इस वार्ता से पहले कौन दो व्यक्ति आते हैं और क्या सूचना देते हैं ?

1. भारत के पूर्वी तथा पश्चिमी छोरों पर ज्वालामुखी भड़कने की बात कहकर सम्राट क्या बताना चाहते हैं ? [4]
2. सम्राट चन्द्रगुप्त वीरसेन, अग्निमित्र, भद्रसेन तथा महामन्त्री को क्या-क्या आदेश देते हैं ? [4]
3. बाद में ध्रुवस्वामिनी किस बात का विश्वास दिलाती है और क्यों ? [4]

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

शिवरत्नम् ने अपना शंख फूँक दिया । सुनकर मगध सैनिक घाटी के मुख्य द्वार की ओर दौड़ चले । सारी छावनी में भगदड़ फैल गई ।

1. शिवरत्नम् को किससे क्या सूचना मिली थी ? इसका शिखरस्वामी और सैनिकों पर क्या प्रभाव पड़ा ? [4]
2. शिवरत्नम् को कब और क्यों लज्जित होना पड़ा था ? [4]
3. मगध सैनिकों ने संतोष की साँस कब व क्यों ली ? [4]
4. शकटाव ने संधि की क्या शर्तें रखी थीं ? वे अपमानजनक क्यों थीं ? [4]

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“नहीं महादेवी, ऐसा न कहिए । युवराज पाटलिपुत्र में आए, लेकिन दुर्ग में उन्होंने प्रवेश नहीं किया । वह उच्छा ही किया । सम्राट् रामगुप्त को यदि पता चल जाता कि ।”

1. युवराज पाटलिपुत्र क्यों और कहाँ से आते हैं तथा किसके साथ ? [4]
2. पाटलिपुत्र में युवराज किससे मिलते हैं और उन्हें क्या-क्या सूचना मिलती है ? [4]
3. केसेना झरोखे के निकट किसकी आकृति देखती है और इसका क्या परिणाम निकलता है ? [4]
4. महादेवी का परिचय दीजिए और बताइए कि इस समय उनकी मनोदशा कैसी है ? [4]

एकांकी चयनिका

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“यदि तुमने अब्राहम के साथ भोजन किया तो तुम्हीं तुम्हीं भ्रष्ट न होगे सारा कुटुम्ब भ्रष्ट हो जायगा । दो-दो कन्याएँ विवाह-योग्य हो गयी हैं, किसी ब्राह्मण-कुटुम्ब में उनका विवाह न हो सकेगा । पुत्र का विवाह हो चुका है तो क्या हुआ उसकी सन्तान तक भ्रष्ट हो जायगी, उसका न यज्ञोपवीत होगा और न ब्राह्मणों में विवाह-संस्कार” ।

- (i) वक्ता का परिचय दीजिए तथा बताइए कि इस वार्ता का समय व स्थान क्या है ?
- (ii) श्रोता की मनोदशा इस समय कैसी है और क्यों ?
- (iii) श्रोता अपने जीवन में किन-किन नियमों का निर्वाह करता था और क्यों ?
- (iv) ‘यज्ञोपवीत’ से आप क्या समझते हैं ? इस संस्कार का क्या महत्व है ?

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“मैंने भी कह दिया — क्या बात है भाभी तुम्हारे मायके की ? एक नमूना तुम्हीं जो हो । एक मिश्रानी भी ले आतीं तो हम गँवार भी उससे सीख लेते ।”

- (i) यह वाक्य किस संदर्भ में कहा गया है ? श्रोता कौन है ? उसका वक्ता से क्या सम्बन्ध है ?
- (ii) मिश्रानी का नाम क्या है ? वह कितने समय से घर में क्या-क्या काम कर रही थी ?
- (iii) वक्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (iv) प्रस्तुत एकांकी में किस सामाजिक समस्या को उठाया गया है ? आपके विचार में इस समस्या के क्या कारण हैं ?

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“महाशय जी, मेरी एक प्रार्थना है कि आप लोग एक देवता का अपमान न करें, नहीं तो आप एक भयानक नरक के भागी होंगे ।”

- (i) वक्ता कौन है ? उसने देवता किसे कहा है और क्यों ?
- (ii) ‘देवता’ का अपमान किसने, किस प्रकार और क्यों किया था ?
- (iii) इस समय कौन-कौन किस विषय पर विवाद कर रहे हैं ? क्या उनका ऐसा करना उचित है ? सकारण उत्तर दीजिए ।
- (iv) प्रस्तुत एकांकी का शीर्षक ‘सबसे बड़ा आदमी’ क्यों रखा गया है ? आपके विचार में इस एकांकी का दूसरा उचित शीर्षक क्या हो सकता है ?

कथा-सरिता

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“जब मैं की दे दो ! अच्छा, पच्चीस न सही बीस ही दो । अरे हाँ, मैं बूढ़ी हुई, मोल-भाव यों बोलना आता नहीं ।” कहते हुए दादी के पोपले मुँह की मुस्कराहट भी थोड़ी फूट निकली ।

- (a) उस समय दादी के साथ कौन बैठा है ? दादी का मोल-भाव करना उनके चरित्र की किस विशेषता को स्पष्ट करता है ? [4]
- (b) किन्करा क्या अनुमान किस प्रकार सही साबित होता है ? [4]
- (c) किन्करा अपने व्यवसाय के किस सत्य से परिचित कराता है ? [4]
- (d) क्या परिवर्तनशील है, उसके प्रभाव से बचना असम्भव है — कहानी के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए । [4]

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

अनेक लाखों वर्षों से असंख्य आदमियों को कर्म और सिफारिश के आधार पर स्वर्ग या नर्क में निवास-स्थान 'अनोट' करते आ रहे थे — पर ऐसा कभी नहीं हुआ था ।

- (a) किन्करा किन्करा की घटना का वर्णन किया गया है ? [4]
- (b) किन्करा की हालत कैसी हो गई है ? वह अपनी कार्य-कुशलता के बारे में क्या कहता है ? [4]
- (c) किन्करा पृथ्वी पर किस प्रकार के व्यापार होने की बात कर रहे हैं ? [4]
- (d) अनेक के अनुसार नरक में निवास-स्थान की समस्या कैसे हल हो पायी ? यहाँ किन पर क्या व्यंग्य किया गया है ? [4]

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“जब पहली बात को उचित समझते हैं — कुछ कारणों से, मैं दूसरी को — दूसरे कारणों से, — उस बात को छोड़ नहीं सकते — अपनी प्यारी कल्पनाओं के लिए, — मैं अपना भी नहीं छोड़ सकता ।”

“दूसरी कल्पनाएँ क्या हैं, सुनूँ तो ! ज़रा मैं भी जान लूँ कि अब के लड़के कॉलेज की ड्योड़ी तक पहुँचने के लिए कैसे-कैसे हवाई किले उठाने के सपने देखने लगते हैं ।”

- (a) किन्करा किन्करा दो व्यक्ति वार्तालाप कर रहे हैं ? दोनों का आपस में क्या सम्बन्ध है ? [4]
- (b) दोनों के विचारों में क्या अन्तर था ? दोनों अपना-अपना पथ क्यों नहीं छोड़ सकते थे ? [4]
- (c) ‘हवाई किले उठाने’ से आप क्या समझते हैं ? यहाँ किस विचार के लिए यह कहा गया है और क्यों ? [4]
- (d) किन्करा कहानी किस पृष्ठभूमि पर लिखी गई है ? कहानी का उद्देश्य क्या है ? [4]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

मैंने दुख-कातर हो हो कर
जब जब दर दर कर फैलाया,
सुख के अभिलाषी मन मेरे
तब तब सदा निरादर पाया,
ठोकर खा खा कर पाया है
दुख का कारण कायरता है !

- (i) 'दुःख-कातर' का क्या तात्पर्य है ? व्यक्ति दुःख कातर कब और क्यों होता है ? [4]
- (ii) सुख का अभिलाषी किसे और क्यों कहा गया है ? निरादर कब मिलता है ? [4]
- (iii) कवि ने दुःख का कारण किसे और क्यों बताया ? उसे यह कब ज्ञात हुआ ? [4]
- (iv) सुख-दुख का जीवन में क्या स्थान है ? आपको इस कविता से क्या प्रेरणा मिली ? [4]

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

शत-शत निर्झर-निर्झरणी कल
मुखरित देवदारु कानन में,
शोणित धवल भोज पत्रों से
छाई हुई कुटी के भीतर,
रंग-बिरंगे और सुगंधित
फूलों से कुन्तल को साजे,
इंद्रनील की माला डाले
शंख-सरीखे सुघड़ गलों में,
कानों में कुबलय लटकाए,
शतदल लाल कमल वेणी में,
रजत-रचित मणि-खचित कलामय
पान पात्र द्राक्षासव, पूरित

सब सामने अपने-अपने
लोहित चंदन की त्रिपदी पर,
नरन निदाग बाल-कस्तूरी
मृगछालों पर पलथी मारे
मदिराख आँखों वाले उन
उन्नद किन्नर-किन्नरियों की
मृदुल मनोरम अँगुलियों को
कभी पर फिरते देखा है ।

बादल को घिरते देखा है ।

● कुटी किनकी है, किस स्थान पर है और किस प्रकार की है ?

[4]

● किन्नर-किन्नरियाँ अपना शृंगार किस प्रकार करते हैं ?

[4]

● कुटी के भीतर के दृश्य का वर्णन कीजिए ।

[4]

● जहाँ लिखिए :-

[4]

कानन, प्रवाल, कुंतल, सुघड़, कुबलय, वेणी, त्रिपदी, द्राक्षासव ।

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :

निम्नलिखित पक्तियों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

जल कर रहे हैं टेसू तेरे दर्शन की ।
मूल-मूल दिखलाते हैं गति अपने मन की ।।
पेह बुलाते हैं तुझको, टहनियाँ हिलाके ।
बड़े प्रेम से टेर रहे हैं, हाथ उठाके ।।
मर्मा तकते बेरी के हुए सदा फल पीले ।
लहने-सहते शीत हुए सब पत्ते ढीले ।।
नींबू नारंगी हैं अपनी महक उठाये ।
सब उत्तार हैं कलियों की दूरबीन लगाये ।।

● 'टेसू' किसकी आशा किस प्रकार कर रहे हैं ?

[4]

● जल उठाकर कौन, किसको, किस-प्रकार बुला रहे हैं ?

[4]

● जल का स्वागत बेरी, नींबू तथा नारंगी किस भाव से कर रहे हैं और क्यों ?

[4]

● जल की शोभा के उपासकों पर परिवर्तनशील समय ने क्या प्रभाव डाला है और क्यों ?

[4]



THEEXAMPAPERS.COM

BY CHIRAG AGARWAL